Antarvasna
अन्तर्वासना

तीन सहेलियाँ नंगी डिल्डो से खेली

“मैं और मेरी एक सहेली बाज़ार में थी तो हमारी एक और सहेली मिल गई जो मेरे साथ लेस्बीयन सेक्स का मज़ा लेती थी। मैंने तीनों का एक साथ सेक्स का कार्यक्रम बनाया। …”

Story By: Mallika Rai (Mallika02)
Posted: मंगलवार, नवम्बर 1st, 2016
Categories: लेस्बीयन सेक्स स्टोरीज
Online version: तीन सहेलियाँ नंगी डिल्डो से खेली

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तीन सहेलियाँ नंगी डिल्डो से खेली

नमस्कार मित्रो, मैं मल्लिका राय... वही कैनेडा में मस्ती वाली...

बात तब की है जब मैं और मेरी एक घनिष्ठ सहेली उर्वशी (बदला नाम) के साथ लेस्बियन सेक्स का दिल से मजे ले रहे थे, तब हमें ये सब करते हुए हमें 4-5 माह ही हुए थे।

हम दोनों सहेलियाँ एक दिन बाजार गई हुई थी, अचानक उर्वशी की नजर हमारी एक और सहेली कविता (बदला नाम) जिसके साथ कहानी
सहेली संग मेरी लेस्बियन रासलीला
अन्तर्वासना पर आ चुकी है,
पर पढ़ी!

वह अपने बच्चे और पति के साथ कुछ सामान खरीद रही थी, उसने मुझे कविता के पास चलने की लिये कहा और हम दोनों उसके पास चल दी।

वह हमें देखकर बहुत खुश हुई।
मैंने कविता के बच्चे को गोद में ले लिया और उसके पति की नमस्कार करके बातें करने लगी।

थोड़ी देर बात करने के बाद उर्वशी ने मेरी तरफ एक कामुक नजर देखकर मुझे आँख मारी पर मैं उसका मतलब समझ नहीं पाई, पर 2-3 इशारों के बाद मैं उसका इरादा समझ गई, और मेरे मन में भी हवस जाग उठी थी, मैंने भी उसे आँख मार दी, पर कविता ये सब नहीं समझ पाई।

बात करने के बाद उर्वशी ने कुछ दिन बाद उसके घर पर हम दोनों को बुलाया, वो अकेली

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

ही थी, उसके घर पर आज कोई नहीं था।
मैं पतिदेव से अनुमति लेकर सुबह जल्दी उर्वशी के घर पर पहुंच गई।

जैसे ही उसने दरवाजा खोला तो देखा कि वो पूरी नंगी ही थी।
जब मैंने उसके बच्चे और घर के बाकी सदस्यों के बारे में पूछा तो उसने बताया कि सभी बाहर गए हुए हैं और रात तक लौटेंगे।

यह सुनकर तो मैंने भी अपने सारे कपड़ों को निकालकर एक तरफ फेंक दिया और उसके साथ मैं भी पूरी नंगी हो गई।

कुछ देर बातें करने के बाद हम एक दूसरे की किस करने लगीं बिल्कुल पागलों की तरह मुँह से पुच पुच्च और उम्म्म म्म्म्म उम्म्म्म की आवाज निकल रही रही थी।

थोड़ी देर बाद वो मम्मों को बुरी तरह से मसलने लगी, मेरे मम्मे तब इतने ही बड़े थे कि एक हाथ में पूरे भर सकते थे, पर मजा बहुत आ रहा था, मेरे मुख से निकल रहा था- आह्ह्ह्ह आह्ह्ह्ह… बहुत मजा आ रहा है।

थोड़ी देर बाद उसने मम्मों को मसलना रोककर उन्हें चूसने लगी।
मैंने उसे दूर किया और कहा- पहले इन्हें जोर से मसल ना… फिर चूसती रहना।

और वो थोड़ी देर और मसलकर उन्हें चूसने लगी और काटने भी लगी।
मैं धीरे धीरे गर्म होने लगी।

थोड़ी देर बाद वो मेरी चूत चाटने लगी तो मैंने उसे रोका और हम 69 के आसन में आये और एक दूसरे की चूत को चाटने लगीं।
दोनों तरफ से बस सीईईईईए आआहहह्ह आईईस्स स्सस्स आह्ह्ह उम्म्म्म सीईईए आआ:ह्ह ह्ह्ह की सिसकारियाँ निकल रही थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

थोड़ी देर बाद हम दोनों एक साथ झड़ गईं और दोनों ने एक दूसरी का रस निगल लिया, फिर उठ कर एक दूसरी को किस करने लगीं। क्या बताऊँ कितना मजा आ रहा था।

फिर मैं उसके मम्मों को चूसने लगी, उसके मम्मों को चूसने का भी एक अलग ही आनन्द है।
उसके मम्मों को चूसते हुए हम एक दूसरे की चूत को मसलने लगीं और दोनों के मुँह से आह्ह्ह आहह अह्ह्ह अहहः आआईईईए आह्ह्ह्ह की आवाज निकाल रही थीं।

ऐसे ही हम दोनों एक बार फिर से झड़ गईं और दोनों के ही हाथ दोनों की चूत के रस से गीले हो गए थे तो हमने उन्हें एक कपड़े से साफ़ किया।

थोड़ी देर बाद उर्वशी ने एक डिल्डो निकालकर कमर पर बाँधा और मेरी दोनों टांगों को उसके कन्धे पर रखकर सिर्फ 2 झटकों में ही पूरा अंदर मेरी चूत में डाल दिया, मेरी चीख निकल गई और चूत में दर्द भी होने लगा था।

मैं उसे गाली देने लगी- माँ की लौड़ी… मेरी चूत से बाहर निकाल इसे! बहुत तेज दर्द हो रहा है मेरी चूत में!
पर उसने मेरी नहीं सुनी और मुझे किस करने लगी।
मेरी चीख उसके होठों के छूने से दब गई थी।

अब वो मुझे किस करते करते मेरी चूत धकाधक चोदने लगी, मुझे अब मजा आने लगा था, मैं भी बस सिसकारियाँ ले रही थी- आह्हह अह्ह आह्ह एआईईईई ह्ह्हीई… चोद मुझे ऐसे ही… जोर से… चोद बहुत मजा आ रहा है… आह्ह्ह अह्ह्ह्ह!

कुछ देर बाद उसने आसन को बदल लिया और कहने लगी- चल कुतिया बन… अब मुझे तेरी गांड चोदनी है!

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं तुरन्त ही कुतिया बन गई।

‘कुतिया…’ उसने मेरे एक चूतड़ पर जोर से चपत लगाई और डिल्डो को मेरी गांड के छेड़ पर लगाकर आहिस्ते से मेरी गांड में उतार दिया।
जब पूरा अंदर समा गया तब उसने धक्कों की गति तेज कर दी।

मुझे ऐसे चुदने में भी बहुत मजा आ रहा था और फिर कुछ देर बाद मेरी चूत को चोदने लगी।

लगभग 5 मिनट बाद ही मेरी चूत ने पानी छोड़ दिया।

थोड़ी देर बाद मैंने डिल्डो को मेरी कमर पर बाँधा और मैंने भी उसकी चूत गीली होने तक उसे चोदा।

उसके बाद हमने हमारी क्रिया को यहीं पर विश्राम दिया, बाथरूम जाकर हाथ धोये और फिर नंगी ही पूरे कमरे में रहीं।

तभी वो अपने पति की शर्ट पहनकर चाय बनाने चली गई और मैं टी वी देखने लगी।

वो 2 कप चाय बनाकर ले आई। हमने चाय पी और एक दूसरे के मम्मों, और चूत से मस्ती करने लगीं।

आधे घण्टे बाद किसी ने दरवाजे पर आवाज लगाई। वो आवाज कविता की थी तो उसने मुझे दरवाजा खोलने के लिये बोला तो मैं टॉवल पहन कर दरवाजा खोलने गई।

कविता मुझे ऐसे देखकर आश्चर्चकित हो गई।
मैंने उसे अंदर बुलाया और दरवाजा लगाकर टॉवल निकाल दिया और उर्वशी के बेडरूम में ले गई।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वो मुझे बार बार पूछ रही थी- तू यहाँ पर नंगी क्यों और कैसे है ?
पर मैंने उसकी बात को अनदेखा कर दिया और उसे किस करने लगी।
वो मुझे छूटकर दूर हो गई।

मैंने उसे फिर किस किया पर 2 मिनट बाद वो फिर अलग हुई।

इस बार मैंने उसे किस नहीं किया और जाकर बेड पर बैठ गई और कामुक अंदाज में मुस्कुराते हुए देखने लगी।

वो मुझसे बार बार पूछ रही थी कि तू यहाँ पर नंगी क्यों है और उर्वशी कहाँ पर है ?
पर मैंने उसे सिर्फ इतना ही कहा- क्यों मैं तेरे सामने नंगी नहीं रह सकती क्या ? और वैसे भी थोड़ी देर में तो तूभी तो नंगी होने वाली है।

मैं उसे गर्म करने के लिये कामुक बातें करने लगी, पर इन बातों का भी उस पर कोई असर नहीं हुआ।
तभी उर्वशी चुपचाप उसके पीछे आकर खड़ी हो गई, मैंने उसे इशारा किया, जैसे ही उसने मुड़ कर देखा, उर्वशी ने उसे धक्का देकर बिस्तर पर गिरा दिया और उसके ऊपर ही बैठ गई।

वो उससे छुटने लगी, या छुटने का नाटक कर रही थी... पता नहीं... पर बार बार यही बोल रही थी- छोड़ मुझे... यह क्या कर रही है ?
उर्वशी- कैसे छोड़ दूँ तुझे ? अभी तो आई है, मजे तो करने ही पड़ेंगे।

कविता- तू ये क्या कर रही है, ये सब गलत है !
उर्वशी- अच्छा मल्लिका के साथ किया, वो गलत नहीं है।
और वो मेरी तरफ आश्चर्य से देखने लगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं- ये हम दोनों का ही किया हुआ है, अच्छा होगा कि अब तू भी हमारा साथ दे और तीनों मजे करें, और झूठा नाटक बन्द कर। वैसे भी 2 से भले 3… क्या ख्याल है ?

इसके बाद जो बातें हुई, वो लिखने का कोई मतलब नहीं है, अब आप समझ ही गए होंगे।

तीन नंगी चूत

उर्वशी ने उसकी चूत को कविता के मुँह पर रख दिया और उसकी चूत को चाटने लगी, उर्वशी भी सिसकारियाँ ले रही थी और मैं कविता की साड़ी नकालने लगी।

देखते ही देखते मैंने उसकी साड़ी, पेटीकोट, और पेंटी निकाल दी पर ब्लाउज और ब्रा निकालना बाकी रह गया था क्योंकि उर्वशी अभी उसकी चूत चटवा रही थी।

उसकी चूत बिल्कुल साफ़ थी, शायद सुबह ही साफ़ की होगी।
यह हिन्दी सेक्स कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

तभी उर्वशी की चूत ने पानी छोड़ दिया और उसे कविता के मुँह में ही निकाल दिया, उसे खांसी आ गई, लेकिन उसने गर्दन को ऐसे पकड़ा था कि छूटना मुश्किल था।

जब तक वो सारा रस नहीं निगल गई उसने नहीं छोड़ा।

जब वो हटी तो ऐसा लग रहा था कि शायद वो उलटी शायद देगी पर ऐसा नहीं हुआ।

थोड़ी देर बाद उसके बदन पर ब्लाउज़ निकालना रह गया था, वो उर्वशी ने निकाल दिया, पर उसकी साफ़ चूत देखकर मैंने उससे पूछा- तुझे जब मजा करना ही था तो ये सब नाटक क्यों किया ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वो हंसी और बात को घुमा फिरा कर बोलने लगी पर उसका मतलब हाँ था।
तो हम सब हंसी और फिर हमने एक साथ सेक्स किया।

मैं कविता को किस करने लगी और उर्वशी हम दोनों के बीच में बैठ गई पहले उसने मेरी चूत को चाटा और फिर कविता की चूत को। वो ऐसे ही थोड़ी देर मेरी चूत चाटती और थोड़ी देर कविता की !

हम दोनों एक दूसरे को किस करने में मग्न थी और मुँह से बीएस आह्ह्ह ऊम्मम्म उम्म्मन पपऊऊउ प्पप्पलच्च्छ की आवाज निकाल रही थी।

उसके बाद उर्वशी खड़ी हुई और हम दोनों भी अलग हो गई।
अब कविता ने उर्वशी को बिस्तर पर लेटा दिया और उसकी चूत चाटने लगी, मैं उर्वशी के मम्मों को पी रही थी।

तभी पता नहीं मुझे क्या सूझा कि मैं भी कविता के साथ उर्वशी की चूत को चाटने लगी।

हालांकि थोड़ी सी समस्या तो हो रही थी पर हमने तालमेल बैठ लिया, और दोनों एक साथ उसकी चूत चाटने लगीं। सच में दोनों ही अब मजे से उर्वशी की चूत चाट रही थीं, और दोनों की जीभ भी आपस में टकरा रही थीं।

यह इस तरह का हम तीनों का ही पहला अनुभव था, हम तीनों ही आनन्द से सागर में डूब गई।

उर्वशी तो जैसे पागल सी हो गई, उसने इस मदहोशी में हम दोनों की गर्दन को उसकी टांगों से तेज से तेज जकड़ लिया था और सिसकारियाँ लेते हुए बोल बस यही रही थी- आअह्ह आह्ह्ह उंम्मनम्म्म… चूसो और जोर से… बिल्कुल ऐसे ही चूसो। बहुत मजा आ रहा है, उम्म्म्म्म आह्ह्ह्ह्ह्ज !

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हम दोनों को चाटने में भी बहुत मजा आ रहा था, पर मुझे ऐसा लग रहा था कि उर्वशी शायद नाटक कर रही है, पर हम उसके झड़ने तक उसकी चूत को चाटती रहीं।

जब उसकी चूत ने पानी छोड़ा तो कुछ रस मेरे मुँह में आ गया और कुछ कविता के मुँह में उसने उसे थूक दिया पर मैंने उसी रस लगे मुँह से उसे जबरदस्ती किस किया।

अब बारी मेरी थी, अब उर्वशी और कविता ने भी मेरी चूत को ऐसे चाटा!
पर अब मुझे लग रहा था कि उर्वशी कोई नाटक नहीं कर रही थी, उसे सच में मजा आ रहा था।

इसी तरह हम तीनों ने एक दूसरी की चूत को चाटा।

थोड़ी ही देर में उर्वशी ने 3-4 नकली लंड निकाले और एक उसकी कमर पर बाँध लिया और मेरे मम्मों को मसलने लगी, मेरे मम्मे कुछ ज्यादा बड़े नहीं थे तब, पर बहुत ज्यादा मजा आ रहा था।

थोड़ी देर बाद मैंने भी लंड को कमर पर बाँध लिया और शुरुआत कविता से की।
पहले उर्वशी बिस्तर पर लेट गई फिर कविता ने भी देर न करते हुए उर्वशी के ऊपर लंड को फंसाकर बैठ गई और खुद ही उछल कर मजे करने लगी।

मैं लंड को कविता के मुँह में डाल ही रही थी कि उर्वशी कविता से बोली- तू एक साथ दो लंड का मजा भी ले ना... देख कितना मजा आएगा।
कविता- नहीं, मुझे बहुत दर्द होगा।

उर्वशी- अरे यार थोड़ी देर दर्द होगा, फिर मजा आयेगा।
कविता- नहीं यार!

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं- अच्छा तू पहले एक साथ लेकर देख ले, अगर मजा नहीं आया तो बता देना हम नहीं करेंगे।
कविता- नहीं यार मेरे पतिदेव को पता चल जायेगा।
उर्वशी- क्या पता चलेगा? हम किसी गैर लोगों से थोड़ी चुद रही हैं? और वैसे भी तेरी गांड तो पूरी चूदी हुई है। तेरी क्या हम तीनों की ही गांड चुदी हुई है।

कुछ देर बाद मनाने के बाद कविता तैयार हो गई, उर्वशी ने तो पहले से ही लंड फंसाया हुआ था, तो मैंने भी आहिस्ते पूरे लंड को उसकी गांड में घुसा दिया।

वैसे मुझे लंड को उसकी गांड में टिकने में कोई समस्या नहीं हुई।

कविता के पति का लंड भी कुछ कम नहीं है, उसने बताया था, और दिल से ही उसकी गांड को चोदता है।

जब लंड अंदर तक चला गया तो अब हम दोनों ही धीरे धीरे धक्के लगाने लगीं।

हालांकि उर्वशी को धक्के लगाने में थोड़ी समस्या जरूर हो रही थी क्योंकि यह उसका पहला अनुभव जो था पर धीरे धीरे उसे ये सब करने में मजा आने लगा और कविता भी उछल उछल कर मजे लेने लगी- आःह्ह अह्हह आआह्ह्ह एआह्ह एअह्ह हह्हह... चोदो मुझे और चोदो... बहुत मजा आ रहा है... आह अह्ह अह्ह ह्हह्ह आअह्ह्ह!

उसकी आवाज सुनकर उर्वशी ने धक्के तेज कर दिए और थोड़ी देर बाद मैंने भी!
इसी बीच कविता झड़ गई और हम अलग हुए, दोनों ने ही लंड को बाहर निकाल लिया।

पर कविता ने और चुदने के लिये कहा, मिन्नतें करने लगी, कहने लगी- बहुत मजा आ रहा है।
तो हम दोनों भी मान गईं।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पर इस बार हमने जगह बदल ली, इस बार मैंने कविता की चूत और उर्वशी ने गांड में लंड को डाला और धक्के लगाने लगीं।

इस बार उर्वशी को धक्के लगाने में कुछ ज्यादा ही मजा आ रहा था और अचानक ही तेज धक्के लगाने लगी और कविता भी मजे से उछल उछल कर हमारा साथ दे रही थी।

सच कहूँ तो मुझे भी धक्के लगाने में बहुत मजा आ रहा था।
तभी कविता फिर झड़ गई और शिथिल पड़ गई।

अब हम अलग हुए तभी उर्वशी ने मुझे धक्का देकर बिस्तर पर गिरा दिया और मेरे चूतड़ पर चपत लगाने लगी।

कुछ देर बाद मैं जैसे तैसे बैठी और देखा कि तक कविता भी लंड को उसकी कमर पर बांध चुकी थी, यानि की अब चुदने का नम्बर मेरा था।

कविता ने मुझे पेट के बल लेटाया और वो मेरे चूतड़ पर चपत लगाने लगी, यह देखकर उर्वशी को भी जोश आया और वो भी मेरे चूतड़ पर जोर से चपत लगाने लगी।

अब दोनों ही मेरे दोनों चूतड़ पर जोर जोर से चपत लगा रहीं थी, मुझे जलन होने लगी पर मजा भी आ रहा था।

फिर मैंने ही उन्हें लंड फंसाकर चोदने के लिये कहा, तो उन्होंने भी देर नहीं की और दोनों एक साथ धक्के लगाने लगीं।

क्योंकि मुझे पहले से ही 2 लंड साथ लेने का अनुभव है तो मुझे ये सब करने में कोई भी परेशानी नहीं हो रही थी, मैं उछल उछल कर आवाज निकाल कर मजे ले रही थी।

जब चूत और गांड एक साथ चुद रही थी तो बहुत मजा आ रहा था, मैं आँखें बन्द करके

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मजे ले रही थी- आआह्ह अह्हह आआअह्ह ऊऊह्ह ऊऊह आआह्ह आआह्ह…

पर पता नहीं उन दोनों ने आपस में क्या इशारा किया कि कविता ने, जो पहले मेरी गांड को चोद रही थी, ने लंड निकाल लिया।
मैंने जब इसकी वजह पूछी तो वो कुछ नहीं बोली सिर्फ मेरी कमर को पकड़े रखा और फिर 2 जोरदार झटके में ही लंड को अंदर डाल दिया।
जैसे तैसे मैंने दर्द को सहन कर लिया और उर्वशी ने भी धक्के लगाने शुरू कर दिए, एक तरफ गांड का दर्द और चूत में मजा सच में एक नया सा अनुभव मिला।

ऐसी ही हरकत उर्वशी ने भी की उसने भी लंड को चूत से निकाला और फिर 2 ही झटके में अंदर तक डालकर चोदने लगीं।
मैं थोड़ी देर बाद झड़ गई।

और इसी तरह हमने उर्वशी को भी चोदा।
कैसे चोदा वो आप समझ ही गए होंगें ?

उस दिन हमने दो राउंड चुदाई की, फिर दोपहर तक नंगी ही रहीं और तीनों ने ही साथ में एक दूसरे को नहलाया।

अब मेरे और कविता के साथ उर्वशी भी जुड़ गई थी, पर तीनों ने ज्यादा नहीं किया, हाँ जब भी मौका मिला, हमने बहुत फायदा उठाया।
हम जब भी तीनों एक साथ होती थीं, उर्वशी और मैं तो तुरन्त ही नंगी हो जाती पर कविता को जबरदस्ती ही नंगी करती…
हमें इसमें बहुत मजा आता था।

वो भी इसका कोई विरोध नहीं करती, पर अब हम ऐसा नहीं करती।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसमें भी समय के साथ बदलाव आ गया है।

आज भी जब हम तीनों मिलती हैं तो लेस्बीयन सेक्स करती हैं।
हालांकि कविता ने कभी भी गैर मर्द के साथ सम्भोग नहीं किया, सिर्फ उर्वशी और मेरे साथ ही समलिंगी सम्बन्ध बनाये हैं।
और पिछले 16-17 वर्षों से सिर्फ उर्वशी से ही लगातार समलिंगी सम्बन्ध हैं जो अभी तक हैं।

जब उस रात को मैं बच्चों को सुलाकर जब नंगी हुई तो पतिदेव भी पता नहीं किस मूड में थे, उन्होंने मेरे दोनों चूतड़ों पर जोर से चपत लगाई, तो मैंने भी ख़ुशी ख़ुशी खुद को उनके हवाले कर दिया।

मेरे पति ने मुझे सोफे पर उल्टा लेटाकर बहुत देर तक मेरे चूतड़ों को लाल कर दिया।
जब जलन बहुत तेज होने लगी तो मैंने उनसे छोड़ने की विनती की, उन्होंने चूतड़ पर मारना छोड़ा पर मेरे चूचों को मसलने लगे, और निप्पल को तो और भी बेरहमी से मसल रहे थे।

इसके साथ आनन्द भी बढ़ रहा था।

उन्होंने चूतड़ पर स्केल और बेल्ट से भी हल्के से मारा पर उनके हाथ से मारने में ज्यादा आनन्द आ रहा था।

जब यह करते हुए मैं गर्म हो गई और उनका 'वो' भी खड़ा हो गया तो मैंने उन्हें इशारा किया।
वो थोड़ा थके हुए थे पर लंड को उन्होंने मेरी गांड में फंसाया और सो गए।

उनकी ये हरकतें बदस्तूर आज भी जारी हैं।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आपको मेरी सेक्स कहानी कैसी लगी ?
उम्मीद है अच्छे कमेंट्स ही करेंगे।

mrai021972@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Indian Gay Site

URL: www.indiangaysite.com **Average traffic per day:** 52 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India We are the home of the best Indian gay porn featuring desi gay men from all walks of life! We have enough stories, galleries & videos to give you a pleasurable time.

Tamil Scandals

URL: www.tamilscandals.com **Average traffic per day:** 48 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Mixed **Target country:** India Daily updated hot and fun packed videos, sexy pictures and sex stories of South Indian beauties in Tamil language.

Aflam Porn

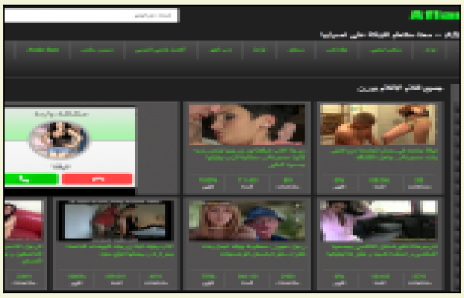

URL: www.aflamporn.com **Average traffic per day:** 270 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Video **Target country:** Arab countries Porn videos from various "Arab" categories (i.e Hijab, Arab wife, Iraqi sex etc.). The site in intended for Arabic speakers looking for Arabic content.

Velamma

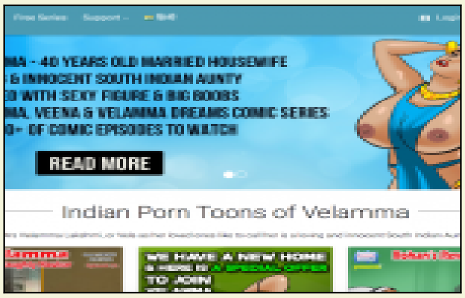

URL: www.velamma.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven!

Delhi Sex Chat

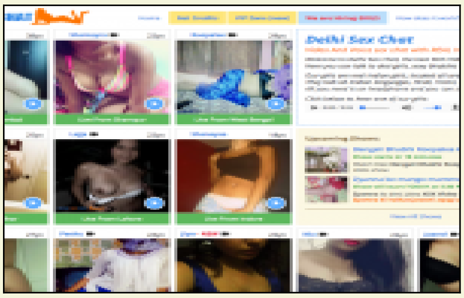

URL: www.delhisexchat.com **Site language:** English **Site type:** Cams **Target country:** India Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Antarvasna Indian Sex Photos

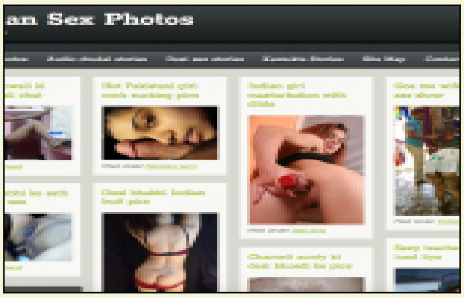

URL: antarvasnaphotos.com **Average traffic per day:** 42 000 GA sessions **Site language:** Hinglish **Site type:** Photo **Target country:** India Free Indian sex photos, sexy bhabhi, horny aunty, nude girls in hot Antarvasna sex pics.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire